

267
24

पत्रवली पेश हुई जा-बा (अप्र/अप्र/१/१)
के बावजूद कोई अपरिपक्वता प्रकट नहीं
अपने हाथों अपन पंजी व ललकी के डिफॉल्ट के
कारण से हुआ है अतः यह शर्त भी अपने
हाथों-अपने पंजी के कारण किया जाता है
पत्रवली के लाल मुद्रा होकर गया के बंध
है। प्रकट बावजूद ललकी के

Jr
अपठ अधिकारी
भोलपुर (राज)

रिफ